जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 89 प्रभात हिण्डौन सिटी, सोमवार 29 जनवरी, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

बहुप्रतीक्षित पूर्वी राजस्थान नगर परियोजना (ई.आर.सी.पी.) के निर्माण पर राजस्थान व मध्य प्रदेश के बीच एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव दिल्ली में हुए इस समारोह में उपस्थित थे।

ई.आर.सी.पी. पर केन्द्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार के बीच एम.ओ.यू.पर हस्ताक्षर हुए

नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के समक्ष डी.पी.आर. बनाने पर सहमति

- **मुख्यमंत्री भजन लाल तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपस्थिति में केन्द्रीय जल शक्ति सचिव देबाश्री मुखर्जी, राजस्थान जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार तथा मध्य प्रदेश के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार राजोरा के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किये गये।**
- **राजस्थान के 2.80 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में मिलेगा सिंचाई जल, 25 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे।**

जयपुर, 28 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान और मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के लिए बहुप्रतिक्षित पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ई.आर.सी.पी.) शीघ्र ही मूर्तरूप लेगी। केन्द्र, राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार के बीच परियोजना की संयुक्त डी.पी.आर. बनाने के लिए जलशक्ति भवन, नई दिल्ली में रविवार को समझौते (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी, राजस्थान के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार और मध्यप्रदेश के जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजेश कुमार राजोरा के बीच समझौता करार पर हस्ताक्षर किए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ई.आर.सी.पी. राजस्थान और मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। किसानों के लिए महत्वपूर्ण इस परियोजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत गंभीर है। प्रदेश में हमारी सरकार के गठन के साथ ही इस अहम् परियोजना को पूरा करने के लिए राजस्थान और मध्यप्रदेश सरकार के बीच सहमति बनाने के लिए बैठक आयोजित की गयी। प्रधानमंत्री की इच्छाशक्ति का परिणाम है कि आज इस प्रोजेक्ट को लेकर केन्द्र सरकार और दोनों राज्यों के बीच एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए हैं। उन्होंने कहा कि संशोधित पार्वती-कालीसिंध चम्बल लिंक परियोजना (ईआरसीपी) से मध्यप्रदेश एवं राजस्थान का सर्वांगीण विकास होगा एवं एक स्वर्णिम युग का उदय होगा। दोनों राज्यों के विकास के लिए यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ई.आर.सी.पी. के तहत पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर, भरतपुर, दौसा, अलवर, जयपुर, अजमेर एवं टोंक में पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त, राज्य के 2,80,000 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से 13 जिलों के लगभग 25 लाख किसान परिवारों को सिंचाई जल एवं राज्य की लगभग 40 प्रतिशत आबादी को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही, भूजल के स्तर में भी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से कृषि उत्पादन में वृद्धि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश कुमार ने नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री की शपथ ली

भाजपा के सम्राट चौधरी व विजय सिन्हा उप मुख्यमंत्री बने

- **जदयू के विजय चौधरी, विजेन्द्र यादव, श्रवण कुमार, भाजपा के प्रेम कुमार, हिन्दुस्तानी आवाम पार्टी के संतोष कुमार सुमन तथा निर्दलीय सुमित कुमार सिंह ने कैबिनेट मंत्री की शपथ ली।**

पटना, 28 जनवरी। हमेशा अपनी शर्तों पर राजनीति करने वाले जद (यू) के नेता नीतीश कुमार ने जबरदस्त सियासी घमासान के बाद आज नौंवी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा सहित छह अन्य ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली।

राजभवन में आयोजित समारोह में बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नीतीश कुमार के बाद भाजपा के सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, जदयू के विजय चौधरी, विजेंद्र यादव, श्रवण कुमार, भाजपा के ही प्रेम कुमार, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के संतोष कुमार सुमन और निर्दलीय सुमित कुमार सिंह को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ दिलाई । इस मौके पर भाजपा समर्थकों ने जय राम और मोदी मोदी के नारे लगाए। वहीं, हम के समर्थकों ने जय भीम तथा जदयू समर्थकों ने नीतीश कुमार के पक्ष में नारे लगाए।

शपथ ग्रहण समारोह में बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस, हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतनराम मांझी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान, जदयू सांसद ललन सिंह, भाजपा नेता मंगल पांडे और राजीव प्रताप रूडी समेत कई अन्य गणमान्य लोग शामिल थे ।

नीतीश कुमार ने रविवार को शपथ ग्रहण करने के बाद संवाददाताओं को बताया कि भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और पार्टी के उपनेता विजय कुमार सिन्हा को उप मुख्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने कहा कि उनके अलावा एक निर्दलीय सदस्य समेत आठ सदस्यों ने मंत्री पद की शपथ ली है, जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार होगा तथा बाकी नेताओं को भी कैबिनेट में शामिल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं के उनकी राजनीति की प्रकृति के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि पहले वह भाजपा के साथ ही थे लेकिन फिर कहीं और चले गये थे । अब वह अपनी पार्टी के नेताओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए फिर से भाजपा के साथ हैं। उन्होंने दुहराया कि, उन्होंने बिहार के हित में काम किया है और राज्य के विकास के लिए प्रयास करते रहेंगे।

विपक्षी गठबंधन इंडिया का नाम लिए बिना उन्होंने आरोप लगाया कि, महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। वहां चीजें ठीक से नहीं चल रही हैं। उन्होंने दोबारा किसी और गठबंधन में जाने की संभावना से भी इनकार किया।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन से नाता तोड़ कर फिर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं अन्य सहयोगी दलों के समर्थन से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार की अगुवाई करने वाले नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद यादव के जंगलराज के खिलाफ जोरदार अभियान चलाने के बाद पहली बार 03 मार्च 2000 को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली लेकिन केवल सात दिनों की संक्षिप्त अवधि के लिए ही मुख्यमंत्री बने रहे। वह सदन में बहुमत साबित नहीं कर पाए।

कुमार ने 24 नवंबर 2005 को फिर से भाजपा के साथ गठबंधन में सरकार बनाई और 20 मई, 2014 से 21 फरवरी 2015 तक, लगभग दस महीने की संक्षिप्त अवधि को छोड़कर बिहार के मुख्यमंत्री रहे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी, जद (यू) की हार की जिम्मेवारी लेते हुए उन्होंने जीतनराम मांझी को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया था। उन्होंने वर्ष 2013 में नरेंद्र मोदी को भाजपा का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आदम खोर बाघ पकड़ा गया

नैनीताल, 28 जनवरी। उत्तराखंड के चुकुम में वन विभाग के अधिकारियों ने आदमखोर बाघ को शनिवार को पिंजरे में कैद कर लिया जिससे लोगों को बड़ी राहत मिली ।

रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को शौच के लिए जंगल गए चुकुम गांव निवासी गोपाल राम(60) को बाघ ने अपना निवाला बना लिया था, जिससे

- **उत्तराखंड के चुकुम गाँव में शनिवार को बाघ ने एक ग्रामीण को शिकार बना लिया था।**

ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गयी थी।

ग्रामीणों के आक्रोश को देखकर वन कर्मी हरकत में आए और घटना स्थल के आसपास कैमरों के साथ - साथ पिंजरे लगा दिये। बाघ को पकड़ने के लिए मृतक के कपड़ों को भी पिंजरे के आसपास रख दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाला बदलने वालों को जनता माफ नहीं करेगी- खड़गे

- **कांग्रेस ने नीतीश कुमार को रंग बदलने में गिरगिटों को टक्कर देने वाला बताया।**
- **कांग्रेस ने कहा, नीतीश के जाने की जानकारी लालू यादव व तेजस्वी ने पहले ही दे दी थी।**

नयी दिल्ली, 28 जनवरी। कांग्रेस ने जनता दल (यू) के नेता एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम लिए बिना उन पर तीखा हमला करते हुए रविवार को कहा कि, रंग बदलने में गिरगिटों को टक्कर देने और विश्वासघात करने वालों को पूरा देश देख रहा है और बिहार की जनता उन्हें माफ नहीं करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा, "देश में आया राम-गया राम जैसे कई लोग हैं। पहले वो और हम मिलकर लड़ रहे थे। जब मैंने लालू जी और तेजश्वी जी से बात की तो उन्होंने भी कहा कि नीतीश जा रहे हैं। अगर वह रुकना चाहता तो रुक जाता लेकिन वह जाना चाहता है। इसलिए ये बात हमें पहले से ही पता थी लेकिन इंडिया गठबंधन को बरकरार रखने के लिए हमने कुछ नहीं कहा। अगर हम कुछ गलत कहेंगे तो गलत संदेश जाएगा। इसकी जानकारी हमें लालू प्रसाद यादव जी और तेजस्वी यादव जी ने पहले ही दे दी थी। आज वह सच हो गया।"

इस बीच कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, नीतीश कुमार पाला बदल रहे हैं इसकी जानकारी कांग्रेस नेताओं को थी। उन्होंने कहा कि, पाला बदलते ही कैसे एकदम पलटा जाता है यह नीतीश कुमार और जदयू प्रवक्ता के.सी. त्यागी बखूबी जानते हैं। उन्होंने कहा कि, जनता सब देख रही है और धोखेबाजों को सबक सिखाएगी।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, "बार-बार राजनीतिक साझेदार बदलने वाले नीतीश कुमार रंग बदलने में गिरगिटों को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। इस विश्वासघात के विशेषज्ञ और उन्हें इशारों पर नचाने वालों को बिहार की जनता माफ़ नहीं करेगी। बिलकुल साफ़ है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रधानमंत्री और भाजपा घबराए हुए हैं और उससे ध्यान हटाने के लिए यह राजनीतिक ड्रामा रचा गया है।"

56 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफतार

रामनगर/नैनीताल, 28 जनवरी। उत्तराखंड के रामनगर में विशेष अभियान समूह (एसओजी) और पुलिस की टीम ने 56 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी मंडुवा आपूर्ति के नाम पर गांजा तस्करी कर रहे थे।

मिली जानकारी के अनुसार नैनीताल एसओजी को शनिवार को बड़ी मात्रा में गांजा तस्करी की सूचना मिली। एसओजी प्रभारी अनीस अहमद और रामनगर थाना प्रभारी रवि सैनी की अगुवाई में पुलिस टीम ने शनिवार को ढि कुली के जंगल रार रिसोर्ट के पास अपना जाल बिछा लिया।

इसी दौरान गर्जिया की ओर से आ रही एक इंडिका कार को रोका गया तो चालक कार को विपरीत दिशा में मोड़कर फरार होने लगा। आखिरकार कार को काबू कर लिया गया। वाहन में दो लोग सवार थे। कार की जांच करने पर चार कट्टों से 56 किलो 790 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

गुलमर्ग, कुपवाड़ा में बर्फ गिरी

श्रीनगर, 28 जनवरी। कश्मीर घाटी के ऊपरी इलाकों में रविवार को हल्की बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश होने से लगभग दो महीने से चला आ रहा सूखा समाप्त हो गया। गुलमर्ग, सोनमर्ग, दूधपथरी, तंगमर्ग, गुरेज घाटी, बांदीपोरा के त्रागबल और कुपवाड़ा के कर्नाह जैसे पर्यटन रिसॉर्ट्स में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई।

बिहार घटनाक्रम भाजपा की हताशा का नतीजा है- अखिलेश

लखनऊ, 28 जनवरी। बिहार में जनता दल (यू) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) गठबंधन में टूट को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश करार देते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि, भाजपा ने बिहार की जनता का अपमान किया है जिसका जवाब जनता लोकसभा चुनाव में देगी।

बिहार के ताजा घटनाक्रम पर यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, "ये भाजपा का लोकसभा चुनाव हारने की हताशा का नतीजा है...जिसने साज़िश करके एक भावी प्रधानमंत्री को अपने साथ मिलाकर मुख्यमंत्री के पद तक ही सीमित कर दिया।"

उन्होंने दावा करते हुये लिखा, "भाजपा ने बिहार की जनता का अपमान किया है और जनमत का भी। जनता इस अपमान का जवाब भाजपा गठबंधन को लोकसभा का चुनाव हराकर देगी। बिहार का हर निवासी अपना अगला वोट, बिहार के सम्मान को बचाने के लिए डालेगा और भाजपा को हराने के लिए।"

इससे पहले अखिलेश ने भाजपा पर तंज कसते हुये पोस्ट किया, "भाजपा अपने जीवनकाल में इतनी कमज़ोर कभी नहीं थी, जितनी आज हो गयी। आज विश्वासघात का नया कीर्तिमान बना है। जनता इसका करारा जवाब देगी। कोई आप पर विश्वास न करे, एक व्यक्ति के रूप में किसीकी इससे बड़ी हार और कुछ नहीं हो सकती।"

'राहुल भारत जोड़ो की जगह कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकालें'

भोपाल, 28 जनवरी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने आज तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के स्थान पर कांग्रेस जोड़ो यात्रा निकालनी चाहिए।

अठावले ने यहां प्रदेश भारतीय

- **केन्द्रीय मंत्री अठावले ने दावा किया कि, इण्डिया गठबंधन मजबूत होने से पहले ही बिखर गया।**

जनता पार्टी (भाजपा) के मीडिया कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि, गांधी को कांग्रेस पार्टी को जोड़ने की चिंता करना चाहिए। भारत जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि, अब मोदी के विकास का रथ कोई नहीं रोक सकता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भाजपा को भव्य राम मंदिर निर्माण का लाभ मिलेगा दक्षिण भारत में?

दक्षिण भारत के लोग राम को श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं, तथा यह भी स्वीकार करते हैं कि, केवल भाजपा ही यह मंदिर बनवा सकती थी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। यह तो बिल्कुल स्पष्ट है कि भाजपा का लोकसभा चुनावों में राम मंदिर कार्ड खेलने का इरादा है, पर एक बहुत बड़ा प्रश्न यह है कि भगवा पार्टी को इससे अतिरिक्त लाभ क्या मिलेगा?

उत्तर भारत में तो भाजपा अधिकतम चुनावी लाभ भुना चुकी है, जहाँ राम मंदिर मुद्दे ने भाजपा की झोली सीटों से भर दी थी और पार्टी कई राज्यों में पहले ही अधिकतम सीटें हासिल कर चुकी है। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश (एक को छोड़ कर) तथा हरियाणा में पार्टी ने लगभग सभी सीटें जीती थीं। लेकिन, इस बार मंदिर के उत्साह व उन्माद के बाद भी, भाजपा पिछले आम चुनाव में जीती समस्त सीटों से ज्यादा नहीं जीत सकती।

तथा यहीं पर मंदिर कार्ड की सफलता की परीक्षा होगी: क्या भाजपा को मंदिर मुद्दे के कारण अतिरिक्त सीटों का लाभ मिलेगा। दक्षिण भारत और पूर्व के कुछ भाग में, जैसे पश्चिम बंगाल में, भाजपा को लाभ हो सकता है।

भाजपा रणनीतिकारों ने संभवत: इसे ध्यान में रखा होगा, जब उन्होंने अयोध्या में भगवान राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले, दक्षिण भारत में प्रधानमंत्री के मंदिरों के दौरे की योजना बनायी थी। यह दक्षिण भारत के मतदाताओं को आकर्षित करने के लिये ही किया गया था, जो सभी भगवान राम की पूजा नहीं करते हैं और मंदिर मुद्दा उनके लिए बहुत बड़ी बात नहीं होगी, जैसा कि विन्ध्य पर्वत श्रृंखला के उत्तर में है।

- **पर, दक्षिण भारत में कई ऐसे स्थानीय देवी-देवता हैं, जिनकी मान्यता राम जितनी है, और कुछ की तो राम से ज्यादा। ऐसी स्थिति में राम मंदिर को भी बड़ा धार्मिक काम तो मानते हैं, पर इतना बड़ा नहीं कि, इसकी वजह से भाजपा को वोट दे दें।**
- **वैसे भी राम भक्तों की संख्या में अधिकतर ब्राह्मण व सवर्ण हैं, इनकी भी संख्या इतनी नहीं कि, भाजपा को चुनाव में ज्यादा लाभ मिले।**
- **साथ ही जैसे-जैसे ब्राह्मण, भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकृत होंगे, गैर ब्राह्मणों का बड़ा ध्रुवीकरण भाजपा के खिलाफ संगठित होगा।**

उदाहरण के तौर पर, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश, दो तेलुगू भाषी राज्यों में कई अन्य भगवान हैं, जिन्हें वहाँ के लोग पूजते हैं- श्री बालाजी या तिरुमाला तिरुपति वैंकटेश तथा अनगिनत अन्य क्षेत्रीय देवी-देवता- इसलिये ये मतदाता राम मंदिर से अधिक प्रभावित नहीं हैं, पर संभवत: भव्य मंदिर निर्माण के कारण केवल "फील गुड" की भावना पैदा हो सकती है। आंध्र और तेलंगाना के शहरों में जो भीड़ नज़र आती है, निश्चय ही हिन्दूवादी समूहों द्वारा आयोजित है, जो अधिकतर ब्राह्मण समुदाय से हैं, तथा वे भाजपा के समर्थक हैं। लगभग यही परिस्थिति आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में भी है, जहाँ पर अन्य जातियों का ध्रुवीकरण उस समूह के खिलाफ हो जाता है जिसके पीछे ब्राह्मण संगठित होते हैं।

और जब इसे 2024 के लोकसभा के चुनावों के संदर्भ में देखते हैं तो दक्षिण भारत के मतदाताओं के लिये राम मंदिर ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर वे मतदान करेंगे। यहाँ भुखमरी, महंगाई तथा सुरक्षा, स्थायित्व, विकास और समृद्धि जैसे राष्ट्रीय मुद्दे अधिक महत्व रखते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक परिवार के पांच सदस्य जिन्दा जले

बरेली, 28 जनवरी। उत्तर प्रदेश के बरेली जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलो मीटर दूर फरीदपुर में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिध हालत में जिन्दा जलकर मौत हो गयी। मरने वालों में पति ,पत्नी और तीन बच्चे हैं। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार और वरिष्ठ

- **कमरे में बाहर से ताला लगा होने के कारण हत्या की आशंका की भी जाँच हो रही है।**

पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चंद्रभान भी घटना स्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है। योगी ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। अंतिम संस्कार का पूरा खर्चा जिला प्रशासन वहन करेगा।

घटनास्थल पर मौजूद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चंद्रभान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)